Rupali Choubey

83½

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

1(a) डीपीटी

- जीवाणुजन्य रोग से संबंधित है।
- डिप्थीरिया, काली खाँसी, टिटनेस की बीमारी से सुरक्षा के लिए दिया जाता है।
- बूस्टर - 16-24 माह के बीच

2

(b) हैजा

- जीवाणुजनित संक्रामक बीमारी जो विब्रियो कोलेरी नामक जीवाणु से होती।
- यह जल, खाद्य पदार्थ, मक्खियों से तीव्रता से फैलता।
- उल्टी व दस्त की समस्या होती है।

2

(c) सर्वशिक्षा अभियान

2001

- भारत सरकार द्वारा 2001 में क्रियान्वित
- इसके अंतर्गत 6-14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान।
- 2010 तक प्रारंभिक शिक्षा उपलब्ध कराने का लक्ष्य था।

2

(Mains Answer Sheet)

(5) यूजीसी

→ डॉ. राधाकृष्णन समिति की सिफारिश पर 1956 में स्थापना की गई

→ यह सांविधिक संस्था उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करती।

→ कार्य - उच्च शिक्षण संस्थानों को अनुदान तथा ... रखना
→ नवीन डि.लि. ... आदि।

(6) समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

→ 1978 में प्रारंभ

IRDP

→ उद्देश्य - ग्रामीण स्तर पर गरीबी बेरोजगारी दूर करना।

→ प्रावधान - सीमांत किसानों, खेतिहर मजदूर आदि को ऋण व सब्सिडी प्रदान करना ताकि स्ववह स्वरोजगार शुरू चालू कर सके।

(Mains Answer Sheet)

(ङ) भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

(च) प्राक्कलन समिति

यह वित्त नियंत्रण से संबंधित संसदीय स्थायी समिति

सदस्य संख्या - 30 (सभी लोकसभा से)

कार्य => खर्चों की मितव्ययता व कार्यकुशलता बढ़ाने की सलाह

2

(छ) यूनेस्को

स्थापना - 1946

संयुक्त राष्ट्र संघ का घटक निकाय

कार्य - शिक्षा, प्रकृति तथा समाज विज्ञान संस्कृति तथा संचार के माध्यम से वैश्विक शांति को बढ़ावा देना

- यह संस्था विश्व की प्राकृतिक, सांस्कृतिक स्थलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल व संरक्षण प्रदान करती है।

2

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी

केन्द्रीय हिन्दी संस्थान [illegible]

1976 में [illegible] के रूप में [illegible] किया गया।
यह भारत की [illegible] संस्था।
यह संस्था भारत व विदेश के [illegible]
[illegible] स्तर के [illegible] को प्रशिक्षित करने
का काम करती है।

(8) [illegible] अयोध्या रेल [illegible]

[illegible] के [illegible] में [illegible] के [illegible]
[illegible] से [illegible] किया जाता है [illegible]
[illegible] धार्मिक आस्था, [illegible] कोई महत्व नहीं होता है।

(9) [illegible] मन्दिर

यह [illegible] में, [illegible] के [illegible] के
[illegible] जाता है [illegible] [illegible] है [illegible]
[illegible] कहलाता है।
1866 में [illegible] [illegible] को [illegible] घोषित
किया गया है

17 (क) विटामिन C

विटामिन C का रासायनिक नाम एस्कॉर्बिक एसिड है
- विटामिन C की कमी से - स्कर्वी नामक रोग हो जाता है
- इसकी कमी दूर करने के लिए नींबू, संतरा, टमाटर आदि का सेवन करना चाहिए।

(ख)

(ग) एससी वर्ग के संरक्षण के लिए कोई तीन संवैधानिक प्रावधान

अनु 17 - अस्पृश्यता का अंत

अनु 338 - राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग का प्रावधान

अनु 243(D) - पंचायतों में आरक्षण

(घ) आई टी आई

- यह संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अधीन चलाये जाते है
- यह विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं को तकनीकी कार्यों का प्रशिक्षण देते है
- 10वीं के बाद प्रवेश दिया जाता है

(Mains Answer Sheet)

प्र 8(क) राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम पर टिप्पणी कीजिये।

मलेरिया एक प्रोटोजोआ जनित रोग है जो मादा एनाफिलिज मच्छर के काटने से होता है भारत में प्रतिवर्ष मलेरिया से अनेक लोग बीमार होते है

भारत सरकार ने मलेरिया उन्मूलन के लिए कार्यक्रम स्थापना की है -

मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम

- शुरूआत वर्ष
- उद्देश्य
- कार्य
- लक्ष्य

शुरूआत वर्ष => 1953 में मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम बदलकर 1958 मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम किया गया।

कार्य => इस कार्यक्रम के अंतर्गत डी.डी.टी का छिड़काव।
- ज्वर पीड़ित व्यक्तियों की पहचान।
- रक्त की जाँच।

उद्देश्य => मलेरिया को उपचारात्मक व निरोधात्मक कार्यवाही से नियंत्रण।
=> रोगियों की खोज।
=> मलेरिया से किसी की मृत्यु न हो

- इसमें गांव में मुफ्त दवाओं व जांच उपचार केंद्र स्थापित

लक्ष्य → 2030 तक मलेरिया उन्मूलन

इस तरह मलेरिया के उन्मूलन का कार्यक्रम चलाकर मलेरिया के रोगियों में कमी आई है, इसके लिए अधिक जागरूकता की जरूरत है।

3

12) पारिवारिक स्वास्थ्य क्या है उसके निर्धारित तत्वों का उल्लेख कीजिए?

व्यक्तिगत व पारिवारिक प्रयासो द्वारा लोगो के सेहतमंद व स्वस्थ रहने की क्रिया पारिवारिक स्वास्थ्य कहलाती है। इसके अंतर्गत स्वास्थ्य सुधार के वैज्ञानिक उपचार के स्थान पर रोगो के निवारण पर अधिक ध्यान दिया जाता है

पारिवारिक स्वास्थ्य को निर्धारित करने वाले तत्वों को देखते हैं -

आनुवांशिकी :- कई लोग कुछ विशेष आनुवांशिकी असमानता के साथ पैदा होते हैं जो स्वास्थ्य के प्रति असहनशीलता ऐसे में उन्हें [illegible] पेय व स्वास्थ्य पदार्थ दिया जाता है

- परिवार में यदि किसी डायबिटीज या मोटापा है तो बच्चों में इसके होने की संभावना आदि

स्वास्थ्य सेवाएँ => स्वास्थ्य सेवाओं की लोगो तक पहुंच।

=> लोगो को पोषण के बारे में शिक्षा

=> समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि लोग आसानी से पहुंच सके व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ग्रहण कर सके।

3

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

पर्यावरण => भौतिक और सामाजिक पर्यावरण (बेहतर)

=> स्वच्छता, शिक्षा, मनोरंजन, उत्तर पेयजल आदि पर्यावरण कारक व स्वास्थ्य बेहतर

व्यक्तिगत स्वास्थ्य व्यवहार => अपने स्वास्थ्य के प्रति व्यक्तिगत रुचि का पता चलता है

अर्थात् पारिवारिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते और हम संतुलित जीवन चर्या अपनाकर स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं

प्रश्न संख्या

(Mains Answer Sheet)

Q 18 स्त्री शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालिये

किसी भी समाज के विकास में स्त्री व पुरुष की भागीदारी समान होती है फिर भी पुरुषों की शिक्षा पर बल दिया जाता है वहीं स्त्री शिक्षा पर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है

निम्न हम स्त्री शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं और जानते हैं कि स्त्री शिक्षा क्यों जरूरी है-

- स्त्री शिक्षा से परिवार की स्थिति मजबूत होगी
- इससे महिलाएं आर्थिक रूप सशक्त होंगी और आर्थिक विकास को गति मिलती।
- समाजीकरण की प्रक्रिया में सहायक।
- शिक्षित महिला बच्चों और परिवार की देखभाल अच्छे से करेगी।
- इससे शिशु मृत्यु दर व मातृ मृत्यु दर में कमी आयेगी।
- कुपोषण की समस्या निजात पाई जा सकती।
- स्त्री पर होने वाले अपराधों में कमी।
- देश व समाज के लिए बेहतर नागरिक तैयार।
- लिंग असमानता को कमी आदि

उपरोक्त को देखते हुए स्त्री शिक्षा पर बल देने की आवश्यकता है ताकि कुपोषण, गरीबी जैसी समस्याओं से निजात पाई जा सके व सर्वोदय की अवधारणा को साकारित किया जा सके।

4

एनसीईआरटी पर संक्षिप्त टिप्पणी

प्रश्न 1(b)

उत्तर: NCERT, भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्थान तथा विद्यालयी शिक्षा से संबंधित है। NCERT को हम निम्न प्रकार से समझते हैं-

एनसीईआरटी
- स्थापना
- उद्देश्य
- कार्य

स्थापना – 1961 में नई दिल्ली में की गई।

उद्देश्य => केन्द्र व प्रांतीय सरकारों को विद्यालयी शिक्षा के संबंध में सलाह देने के लिए।

कार्य :- शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय को स्कूली शिक्षा के संबंध में सलाह व नीति निर्धारण।
- प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा में अनुसंधान, सहायता कार्यक्रमों को विकास में सहायता।
- स्कूली शिक्षा के लिए मॉडल पुस्तकें व पाठ्यक्रम निर्धारित करना।
- अध्यापकों के लिए पूर्व प्रशिक्षण व सेवारत प्रशिक्षण की व्यवस्था।
- शिक्षा में नये-नये साधनों व तकनीकों का प्रयोग

4

अतः NCERT उपरोक्त कार्यों को करती व सम्पूर्ण विधेयक में एकीकृत करवाने दिशा को बढ़ावा देती है।

KAUTILYA ACADEMY

खुला विश्वविद्यालय के लाभों का वर्णन कीजिए

खुले वि. वि. ऐसे विश्वविद्यालय होते हैं जो दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देते तथा किन्ही कारणों से वंचित रहे लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित किये जाते है

ओपन विश्वविद्यालयों के लाभों को देखें तो यह निम्न दिखाई देते है

खुले वि. वि. में प्रवेश आसान होता अर्थात नामांकन की नीति सरल होती है।

घर पर रह कर अध्ययन कर सकते हैं।

छात्र मनपसंद के पाठ्यक्रम में नामांकन या प्रवेश ले सकते है अर्थात योग्यता का बंधन नहीं होता।

यह ऐसे शिक्षार्थियों के अधिक लाभप्रद है जो देरी से पढ़ाई करते तथा सेवारत, उच्चतर शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक होते हैं।

अध्यापन - अध्ययन कार्य मुद्रित अध्ययन सामग्री, मल्टीमीडिया, इंटरनेट अथवा रेडियो नेटवर्क के माध्यम से होता है।

इस तरह ओपन विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा में अहम भूमिका निभाते तथा पढ़ने के इच्छुक शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करते हैं।

(Q) कुपोषण के प्रभावों का उल्लेख कीजिए

उचित पोषण युक्त भोजन के अभाव में व्यक्ति कुपोषण का शिकार हो जाता है जिसके प्रभाव बच्चों से लेकर व्यस्कों में भी नजर आते हैं भारत में कुपोषण एक गंभीर समस्या है

कुपोषण के प्रभावों पर नजर डाले तो निम्न रूपों को देख सकते हैं –

व्यस्कों पर प्रभाव => मांसपेशियों में कमजोरी।
– प्रभाव, एनीमिया कैल्शियम
– हृदयघात का खतरा बढ़ जाता।

स्त्रियों पर प्रभाव => मातृ मृत्युदर में वृद्धि।
– कुपोषित महिला कुपोषित बच्चे को जन्म देती हैं।
– शारीरिक व मानसिक विकास न होना आदि।

बच्चों पर प्रभाव => उच्च शिशु मृत्युदर
– कुपोषित बच्चे बीमारीयों
– चिड़चिड़ापन, मंदबुद्धि आदि।

सामाजिक व आर्थिक प्रभाव => मानव उत्पादकता कम।
– लोगों के जीवनगत कार्य करने की क्षमता प्रभावित।

बीमारियों का गढ़ग्रसित => ऑस्टियोपोरोसिस, मरास्मस, एनीमिया, घेघा आदि बीमारियां लगातार होने

इस तरह कुपोषण समाप्त कार्यक्रमों के सही से प्रभावित करेगी जो सामाजिक व आर्थिक गति में बाधक है अतः सरकार को इसे लागू करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है।

3.5

KAUTILYA ACADEMY

(Mains Answer Sheet)

(अ) म.प्र में स्वास्थ्य तंत्र पर जानकारी प्रदान कीजिए :

स्वस्थ स्वास्थ्य मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है उसके लिए नागरिक की सभी को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध, दवाएं गुणवत्तापूर्ण व सभी को सेवा प्राप्ति के लिए वित्तीय सहयोग तभी स्वास्थ्य तंत्र मजबूत होगा।

म.प्र स्वास्थ्य तंत्र को देखे तो निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है -

म.प्र. स्वास्थ्य तंत्र

- उपस्वास्थ्य केंद्र
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
- सामुदायिक
- जिला चिकित्सालय

उपस्वास्थ्यकेंद्र => गांव, दूरदराज पहाड़ी क्षेत्रों में सेवा प्रदान करता।
- महिला स्वास्थ्यकर्ता, पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता व दाई होते
- टीकाकरण, गर्भवती जांच, परिवार नियोजन आदि कार्य।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र => 5-6 उपकेंद्र इससे जुड़े एक चिकित्सा अधिकारी पेरामेडिकल व अन्य कर्मचारी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र – 80,000 – 1,20,000 जनसंख्या को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना।

– विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ व अन्य कर्मचारी

जिला अस्पताल → उप-खंड अस्प. उप. है जो प्रत्येक जिले में स्थित

– व्यापक निजी सुविधाओं से युक्त

इस तरह म.प्र. में स्वास्थ्य तंत्र निचले स्तर से उच्च स्तर तक उपलब्ध जिस आवश्यकता पुनः संचालन व प्रबंधन की ताकि स्वास्थ्य सुविधाओं को निचले स्तर पर पहुंचाया जा सके।

4

(Mains Answer Sheet)

प्र. (7) राज्य शासन द्वारा बालिकाओं के लिए संचालित किन्ही 5 योजनाओं का उल्लेख करें।

राज्य में बालिकाओं के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए सरकार द्वारा जोर दिया जाता है तथा प्रदेश सरकार द्वारा इनके कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की है।

बालिकाओं के लिए संचालित योजना –

(1) लाडो अभियान – 2013 से प्रारंभ
– बाल विवाह रोकने के लिए योजना।

(2) गांव की बेटी योजना – 2005 से प्रारंभ।
– उच्च शिक्षा हेतु छात्राओं को सहायता राशि

(3) लाडली लक्ष्मी योजना – अप्रैल 2007 से प्रारंभ
– शैक्षणिक व आर्थिक स्तर पर सुधार
– आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है

(4) गौरवी केंद्र => 2014 से भोपाल से प्रारंभ
महिलाओं के सम्मान व संरक्षण

(5) कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय => 2005 से प्रारंभ
विकास खंड स्तर पर आवासीय सुविधा उपलब्ध

केन्द्र – मंगलदिवस आदिका, कन्यादान योजना आदि।

इसतरह म.प्र. सरकार द्वारा बालिकाओं के लिए अनेकों योजनाओं को चलाया ताकि उनका सामाजिक व आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

4

KAUTILYA ACADEMY

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(b) म.प्र. में लोक सेवकों हेतु प्रशिक्षण संस्थानों का उल्लेख कीजिए।

प्रशिक्षण एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति की कार्यकुशलता, निपुणता, योग्यता में वृद्धि की जाती जो परिवर्तित होती परिस्थिति में आवश्यक है।

म.प्र. में लोक सेवकों के प्रशिक्षण के लिए अनेक संस्थानों की व्यवस्था की है –

1) आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अकादमी – भोपाल में स्थित यह राज्य व भारत सरकार के विभिन्न अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है।

प्रशिक्षण संस्थान → राज्य वन अनुसंधान संस्थान ⇒ जबलपुर – राज्य वन सेवा के अधिकारियों को प्रशिक्षण

→ पुलिस प्रशिक्षण शाला – इन्दौर में स्थित

→ म.प्र. ग्रामीण विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान ⇒ जबलपुर स्थित

केन्द्र => वायरलेस प्रशिक्षण संस्थान-इन्दौर
म.प्र. पुलिस स्व एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण
संस्थान, ग्वालियर आदि।

इस तरह म.प्र. पुलिस बल के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था है ताकि वे नवीन तकनीकों, नये कार्यों के बारे जानकारी, कार्यविधि प्राप्त कर उनको कुशल दक्ष बन सकें।

4

KAUTILYA ACADEMY

संसदीय नियंत्रण के विभिन्न साधनों को स्पष्ट करो।

भारत में संसदीय शासन व्यवस्था को अपनाया गया जो लोकसभा व राज्य सभा से बनती है। लोकसभा में बहुमत प्राप्त दल सरकार का गठन करता तथा कैबिनेट व मंत्रिपरिषद का गठन होता जो देश के लिए नीति निर्माण करता। अर्थ व्यवस्था एवं उनकी निरंकुशता को रोकने व जनहित में कार्य करने के लिए संसदीय नियंत्रण किया जाता है।

संसदीय नियंत्रण में भिन्न साधनों का प्रयोग करते उसको नीचे विस्तार से समझते है -

संसदीय नियंत्रण

- आंतरिक नियंत्रण
  - प्रस्तावों पर बहस
  - प्रश्नकाल
  - शून्यकाल
  - कटौती प्रस्ताव
  - स्थगन प्रस्ताव
  - प्रस्ताव
- बाह्य नियंत्रण
  - वित्त मंत्रालय का नियंत्रण
  - वित्तीय
  - प्रशासनिक नियंत्रण
- समितियों के माध्यम
  - प्राक्कलन समिति
  - लोकलेखा समिति
  - लोक उपक्रम समिति

(Mains Answer Sheet)

अविश्वास प्रस्ताव

अंतरिक नियंत्रण =)

प्रस्तावों पर बहस =) संसद में दोनों सदन पर व्याख्या कि वित्त विधेयकों पर पर्याप्त बहस उसके पश्चात विधेयकों पास किया जाता है

प्रश्नकाल =) संसद की कार्यवाही का पहला घंटा जिसमें मंत्रियों से उनसे संबंधित विषयों से प्रश्न पूछा जा सकता इसके अंतर्गत तारांकित अतारांकित अल्प सूचना वाले प्रश्न शामिल होते

शून्य काल =) इसमें अति महत्वपूर्ण लोक महत्व के विषयों पर चर्चा होती।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव =) किसी मुद्दे पर संबंधित मंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिए।

बाह्य नियंत्रण =)

(1) वित्त मंत्रालय =) वित्त पर नियंत्रण बिना इसकी अनुमति

गुप्तचर विभाग के लिए भी जनता में शामिल नहीं किया जा सकता।

संसदीय समितियाँ :- = अनुमान समिति व्ययों के मितव्ययिता सुनिश्चित करना

लोक लेखा समिति उजागर

अधीनस्थ विधान समिति [illegible] की जाँच कर अनियमितताओं को उजागर करती है।

सार्वजनिक उपक्रम समिति - सार्वजनिक उपक्रमों के लेखों की जाँच करती

इस तरह सरकार के नीति निर्धारण व वित्त पर संसद उपरोक्त साधनों से नियंत्रण स्थापित करती है ताकि जनता का पैसा लोककल्याणकारी कार्यों में लगाया जा सके व देश का आर्थिक-सामाजिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। संसदीय नियंत्रण से न केवल सरकार पर दबाव स्थापित किया जाता बल्कि इससे जनता का विश्वास संसदीय व्यवस्था पर कायम रहता है व लोकतंत्र मजबूत होता है।

8

(Mains Answer Sheet)

प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता एवं इसकी सार्वभौमिकता को समझाओ तथा इसे लागू करने के उपाय ?

भारत में प्राथमिक शिक्षा 6 वर्ष के आयु से दी जाती है एवं भारत में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लिए बल दिया जा रहा है इसके लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 पारित किया गया जिसमें 6-14 वर्ष के सभी बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान किया गया जिससे प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित किया जा सके।

प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता पर नजर डाले तो निम्न दिखाई देती है—

	) व्यक्ति के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक विकास के लिए।
	) सशक्तीकरण के लिए।
	) मानव संसाधन विकास।
प्राथमिक शिक्षा की आवश्यकता	) विभिन्न धर्मों, जाति, भाषा, लिंग के मध्य सहिष्णुता व समन्वय स्थापित।
	) लोकतंत्रीकरण को मजबूती
	) उपयोगिता के विकास।
	) समावेशी विकास। आदि।

अतः आधुनिक शिक्षा की आवश्यकता को देखते हुए इसके महत्व को समझा जा सकता है किंतु प्राथमिक शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ है जो निम्नवत है —

- [illegible] प्रेरणा का अभाव।
- [illegible] के मानक अभी चिन्तन आयोग सही नहीं है।
- प्रशिक्षित शिक्षकों का अभाव।
- विद्यालयों का घर से दूर होना
- स्कूलों में पेयजल, शौचालयों अन्य सुविधाओं का न होना।
- गरीबी, बेरोजगारी से बच्चों को स्कूल न जाना।
- राजनैतिक इच्छाशक्ति का अभाव।
- जागरूकता की कमी। आदि।

अतः प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण के लिए निम्न उपायों को अपनाये जाने की आवश्यकता है जो निम्न है —

- बजट में प्राथमिक शिक्षा पर अधिक व्यय करना होगा।
- स्थायी व प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति

- आधारभूत संरचना का निर्माण (यातायात, बिजली)
- स्कूल में मूलभूत सुविधाओं (पेयजल, शौचालय, आदि) का होना।
- गाँव के पास स्कूलों का खोला जाना।
- शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
- जागरूकता अभियान चलाना। आदि।

इस प्रकार, भारत में प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण किया जा सकता है किंतु इसके लिए सरकार के प्रयास के साथ-2 जनता, NGO, सिविल सोसायटी आदि को एक साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षित किया जा सके व सहस्राब्दि विकास लक्ष्यों (15) उनको प्राप्त कर सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया कर सकें।

8

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Main Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

प्र.क्र.(E) टीकाकरण क्या है? टीकों के विभिन्न प्रकार बताइये साथ ही कोविड-19 के टीके पर टिप्पणी प्रदान कीजिए?

टीकाकरण एक विशेष प्रकार की प्रक्रिया है जिसमें एक [illegible] पदार्थ को [illegible] में डालने पर [illegible] में प्रतिरक्षित या संक्रमक रोगके प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाती है और [illegible] कई जानलेवा बीमारियों से [illegible]। टीकाकरण के परिणामस्वरूप ही भारत में शिशु मृत्यु दर, बाल मृत्यु दर में कमी देखने को मिली है।

टीके के प्रकारों की बात करें तो भारत में शिशुओं, बच्चों व गर्भवती महिलाओं को निम्न प्रकार के टीके प्रदान किये जाते हैं

	टीके	देने का समय
गर्भवती महिलाओं को	टीटी-1	गर्भावस्था के प्रारंभिक समय
	टीटी-2	गर्भावस्था के 4 माह बाद

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार...

प्रश्न संख्या — मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)

शिशुओं	टीके	टीके दिये जाने का समय
	- बीसीजी	जन्म के तुरंत बाद
शिशुओं को दिये जाने वाले	- हेपेटाइटिस बी	— " —
	ओपीवी (मुख द्वारा)	— " —
	ओपीवी 1, 2, 3 (ओरल पोलियो वैक्सीन)	6, 10, 14 सप्ताह
	- पेंटावेलेंट 1, 2, 3	6, 10, 14 सप्ताह
	- रोटावायरस	6, 10, 14 सप्ताह
	- मीजल्स (खसरा)	9-12 माह के बीच
	- डीपीटी बूस्टर 1 व 2	- 16-24 महीने
बच्चों के लिए		5-6 वर्ष
	ओपीवी बूस्टर	16-24 माह

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

कोविड-19 → वर्तमान में विश्व में कोरोना नामक महामारी का प्रकोप है इस विश्व भर महामारी के टीके को बनाने का प्रयास कर रहा है यहाँ तीन टाप कम्पनी टीके —
एक के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा बनाया टीके जो तीसरे चरण के ट्रायल निर्णायक एक बड़े समूह को इस टीके को दिया गया है।
भारत की कैडिला हैल्थकेयर कंपनी कोवैक्सीन बना रही जो तीसरे चरण के ट्रायल में कार्य कर चुकी हैं। दिसंबर 2020 तक तैयार होने की संभावना।
रूस द्वारा स्पुतनिक V वैक्सीन जो बनकर तैयार लेकिन प्रमाणित मान्यता नहीं।

इस तरह टीकाकरण कई घातक बीमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है व व्यक्ति को स्वस्थ बनाये रखता है वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में कोरोना महामारी का प्रकोप छाया जिसका इलाज उपलब्ध नहीं अतः सभी देश इसके टीके के निर्माण का प्रयास किया जा रहा ताकि कोरोना जैसी महामारी पर काबू पाया जा सके।